CURRICULUM

B.A. in HINDI
FOUR YEAR DEGREE COURSE

(w.e.f. 2023-2024)

UNDER NATIONAL EDUCATION POLICY
COOCH BEHAR PANCHANAN BARMA UNIVERSITY
COOCH BEHAR; WEST BENGAL

B.A IN HINDI: 1ST YEAR

FIRST SEMESTER

COURSE CODE	COURSE TITLE	LTP	MARKS				
			ESE	CE	A	TOTAL	CREDIT
MAJOR-1	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदि काल से रीतिकाल तक)	5-1-0	75	20	5	100	06
MDC-1	देवनागरी लिपि और हिन्दी व्याकरण	2-1-0	35	10	5	50	03
AEC-1	आधुनिक हिंदी भाषा	2-1-0	35	10	5	50	03

SECOND SEMESTER

MAJOR-2	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	5-1-0	75	20	5	100	06
Internship	INTERNSHIP	-	-	-		50	04

(ESE- End of Semester Examination, CE- Continuous Evaluation, Learning theoretical &Practical

MAJOR-1

FIRST SEMESTER

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

पाठयक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus)□□□□□□ प्रथम सत्र के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास(आदिकाल से रीतिकाल तक) से सम्यक रूप से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के काल-विभाजन और नामकरण के बारे में विस्तार से परिचित होंगे । उसके बाद आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल की पृष्ठभूमि, विशेषताओं और प्रमुख कवियों के बारे में अध्ययन करेंगे.

इकाई -1 : आदिकाल

- कालविभाजन और नामकरण
- आदिकालीन साहित्य की ऐतिहासिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ
- सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य एवं जैन साहित्य
- रासो काव्य, अपभ्रंश मुक्तक काव्य
- आदिकालीन काव्य भाषा
- आदिकालीन प्रमुख कवियों का परिचय – विद्यापति, अमीर खुसरो, चंदबरदाई, जगनिक, शारंगधर और नरपति नाल्ह

इकाई- 2 : भक्तिकाल

- भक्तिआन्दोलन के उदय के कारण
- भक्तिकालीन साहित्य की ऐतिहासिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

- भक्तिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप
- निर्गुण काव्यधारा (संत काव्य और सूफी काव्य)
- सगुण काव्यधारा (रामाश्रयी और कृष्णाश्रयी काव्य)
- भक्तिकालीन काव्यभाषा का स्वरूप और वैविध्य
- भक्तिकालीन प्रमुख कवि – कबीर, रैदास, जायसी, तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई, रहीम और रसखान

इकाई- 3 : रीतिकाल

- रीतिकालीन साहित्य की ऐतिहासिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य)
- रीतिकालीन काव्य भाषा
- रीतिकालीन प्रमुख कवि – चिन्तामणि, केशवदास, बिहारी, देव, मतिराम, भूषण,पद्माकर और घनानन्द

सहायक ग्रंथ सूची

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान दिल्ली
2. आदिकालीन तथा मध्यकालीन कवियों का आलोचनात्मक पाठ, हेमंत कुकरेती, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य का अतीत, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी साहित्य एवं संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास, संपा. डॉ. नगेन्द्र , के एल मल्लिक एंड संस, दिल्ली
9. साहित्य का इतिहास दर्शन, नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
10. भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार, संपा. गोपेश्वर सिंह
11. साहित्य और इतिहास दृष्टि, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
12. मध्यकालीन साहित्य और सौंदर्यबोध, मुकेश गर्ग, जगत राम एण्ड संस, दिल्ली
13. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास, डॉ.विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरिएंट, ब्लैकस्वान, दिल्ली
14. भक्ति के तीन स्वर, जॉन स्ट्रेटन हॉली, (अनु.) अशोक कुमार, राजकमल प्रकाशन
15. रीतिकाव्य, नंदकिशोर नवल,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. निर्गुण संतों का स्वप्न, डेविड लारिंजन,राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
17. मध्यकालीन काव्यभाषा, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
18. मध्यकालीन बोध का स्वरूप, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

MDC-1

FIRST SEMESTER

देवनागरी लिपि और हिन्दी व्याकरण

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective Of Syllabus)इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य देवनागरी लिपि का सामान्य परिचय, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ और देवनागरी लिपि का मानकीकरण से विद्यार्थियों को परिचित करना

है। साथ ही हिन्दी व्याकरण से संबंधित प्राथमिक पाठों जैसे संज्ञा की परिभाषा, भेद, सर्वनाम की परिभाषा एवं भेद, विशेषण की परिभाषा एवं भेद, संधि की परिभाषा एवं भेद, समास की परिभाषा एवं भेद और उपसर्ग और प्रत्यय से विद्यार्थियों को परिचित कराना इस पाठ्यक्रम का ध्येय है।

इकाई-1 :

- देवनागरी लिपि का सामान्य परिचय
- देवनागरी लिपि की विशेषताएं
- देवनागरी लिपि का मानकीकरण

इकाई-2 :

- संज्ञा- परिभाषा एवं भेद
- सर्वनाम- परिभाषा एवं भेद
- विशेषण- परिभाषा एवं भेद
- क्रिया- परिभाषा एवं भेद

इकाई-3 :

- संधि- परिभाषा एवं भेद
- सामास- परिभाषा एवं भेद
- उपसर्ग
- प्रत्यय

सहायक ग्रंथ सूची

1. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना- डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन, पब्लिशर्स, पटना
2. हिन्दी शब्द अर्थ प्रयोग- डॉ. हरदेव बाहरी,अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
3. हिन्दी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
4. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण, नामदेव उतकर, चंदरलोक प्रकाशन, जयपुर
5. हिन्दी व्याकरणमाला, के. आर. महिया और विमलेश शर्मा, ज्ञान वितान प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी व्याकरण प्रश्नमाला,के. आर. महिया और राजेन्द्र नेवड़, ज्ञान वितान प्रकाशन, दिल्ली
7. सामान्य हिन्दी व्याकरण और रचना, केदारनाथ विद्यापब्लिकेशन,

AEC-1

FIRST SEMESTER

आधुनिक हिन्दी भाषा

पाठ्यक्रम का उद्देशय(Objective Of Syllabus)इस पाठयक्रम का उद्देश्य हिन्दी व्याकरण और रचना से संबंधित प्राथमिक पाठों जैसे संज्ञा का सामान्य परिचय एवं भेद, सर्वनाम का सामान्य परिचय एवं भेद, विशेषण का सामान्य परिचय एवं भेद, कारक का सामान्य परिचय एवं भेद, संक्षेपण तथा पल्लवन, कार्यालयी तथा व्यावहारिक पत्र लेखन से विद्यार्थियों को परिचित करानाहै। इसके साथ-साथ हिन्दी पद्य और गद्य साहित्य के चुनिंदा रचनाकारों तथा उनकी रचनाओं का अध्ययन कराना इस पत्र का ध्येय है।

इकाई 1:हिन्दी व्याकरण और रचना

- संज्ञा का सामान्य परिचय एवं भेद
- सर्वनाम का सामान्य परिचय एवं भेद
- विशेषण का का सामान्य परिचय एवं भेद
- कारक का सामान्य परिचय एवं भेद
- संक्षेपण, पल्लवन
- पत्राचार-कार्यालयी, व्यावहारिक तथा व्यावसायिक पत्र

इकाई 2: **हिन्दी पद्य**

कबीरदास : सामान्य परिचय, दोहे – यह तन विष की बेलरी, पाथर पुजै हरि मिले, माटी कहै कुम्हार से,कबीरा यह घर प्रेम का

तुलसीदास : सामान्य परिचय, दोहावली – तुलसी मीठे वचन ते, दया धरम का मूल है, तुलसी भरोसे रामके, दुर्जन दर्पण सम सदा

रहीम : सामान्य परिचय, दोहे – रहिमन पानी राखिए, जो रहीम ओछो बढै, पावस देखि रहीम मन, बड़ा हुआ तो क्या हुआ, रहिमन देख बड़ेन को

बिहारी : सामान्य परिचय, दोहे – पत्रा ही तिथि पाइये, जप माला छापा तिलक, सोहत ओढ़े पीतु पटु, दृग ऊरझत टुटत कुटुम्ब

जयशंकर प्रसाद : सामान्य परिचय - ले चल मुझे भुलावा देकर,भारत महिमा

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : सामान्य परिचय - भिक्षुक, जूही की कली

नागार्जुन : सामान्य परिचय - अकाल और उसके बाद,बहुत दिनों के बाद

रामधारी सिंह दिनकर : सामान्य परिचय - दिल्ली, विपथगा

इकाई-3: हिन्दी गद्य साहित्य

प्रेमचंद – ठाकुर का कुआँ

महादेवी वर्मा – गिल्लू

फणीश्वरनाथ रेणु – पंचलाइट

हरिशंकर परसाई – इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर

सहायक सूची

1. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद
2. कबीर ग्रंथावली, संपा. श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी, काशी
3. दोहावली, तुलसीदास, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
4. रहीम ग्रंथावली, संपा. सत्यप्रकाश मिश्र, लोकभारती भारती प्रकाशन, नई दिल्ली
5. बिहारी सतसई, संपा. जगन्नाथदास रत्नाकर, मालिक कंपनी, नई दिल्ली
6. प्रतिनिधि कविताएँ, जयशंकर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. राग -विराग, संपा.रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
8. प्रतिनिधि कविताएँ, नागार्जुन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. मानसरोवर, प्रेमचंद, सुमित्र प्रकाशन, नई दिल्ली

10. मेरा परिवार, महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
11. ठुमरी, फणीश्वरनाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
12. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रामचंद्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा काशी
13. कबीर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

MAJOR-2

SECOND SEMESTER

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

पाठयक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus)स्नातक प्रथम सत्र के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास के आधुनिक काल के विविध पहलुओं से सम्यक रूप से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल की शुरूआत की पृष्ठभूमि, प्रेस का आगमन, 1857 की क्रांति के प्रभावों तथा हिन्दी नवजागरण की उपलब्धियों तथा सीमाओं के बारे में विस्तार से जानेंगे। साथ ही भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता आदि आधुनिक हिन्दी साहित्य के प्रमुख सोपानों का सम्यक अध्ययन करेंगे। इस पत्र में विद्यार्थी गद्य की विविध विधाओं के बारे में भी अध्ययन करेंगे.

इकाई-1:

- 1857 की राज्य क्रांति और हिन्दी नवजागरण
- प्रेस का आगमन
- भारतेन्दु युग : प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि, उपलब्धियाँ
- द्विवेदी युग : विशेषताएं, प्रमुख कवि, प्रमुख उपलब्धियाँ

इकाई-2 :

- छायावाद : विशेषताएं, प्रमुख कवि, प्रमुख उपलब्धियाँ
- प्रगतिवाद : विशेषताएं, प्रमुख कवि, प्रमुख उपलब्धियाँ
- प्रयोगवाद : विशेषताएं, प्रमुख कवि, प्रमुख उपलब्धियाँ
- नई कविता: विशेषताएं, प्रमुख कवि, प्रमुख उपलब्धियाँ
- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता : विशेषताएं, प्रमुख कवि, प्रमुख उपलब्धियाँ
- समकालीन हिन्दी कविता : विशेषताएं, प्रमुख उपलब्धियाँ

इकाई-3 : हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास

- हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास
- हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास
- हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास
- हिन्दी निबंध का उद्भव और विकास
- हिन्दी की साहित्यिक पत्रिकाओ का उद्भव और विकास

इकाई- 4: कथेतर विधाएं

- यात्रा वृतांत, संस्मरण, आत्मकथा, डायरी, रेखाचित्र, जीवनी, साक्षात्कार और रिपोर्ताज

सहायक ग्रंथ सूची

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचर्य रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान दिल्ली
2. आदिकालीन तथा मध्यकालीन कवियों का आलोचनात्मक पाठ, हेमंत कुकरेती, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य का अतीत, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी साहित्य एवं संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास, संपा. डॉ. नगेन्द्र , के एल मल्लिक एंड संस, दिल्ली
9. साहित्य का इतिहास दर्शन, नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
10. भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार, संपा. गोपेश्वर सिंह
11. साहित्य और इतिहास दृष्टि, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
12. मध्यकालीन साहित्य और सौंदर्यबोध, मुकेश गर्ग, जगत राम एण्ड संस, दिल्ली
13. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास, डॉ.विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरिएंट, ब्लैकस्वान, दिल्ली
14. भक्ति के तीन स्वर, जॉन स्ट्रेटन हॉली, (अनु.) अशोक कुमार , राजकमल प्रकाशन
15. रीतिकाव्य, नंदकिशोर नवल,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. निर्गुण संतों का स्वप्न, डेविड लारिजन,राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
17. मध्यकालीन काव्यभाषा, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
18. मध्यकालीन बोध का स्वरूप, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

SECOND SEMESTER

INTERNSHIP